

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें





15 अप्रैल 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जो लोग सोचना जानते हैं, उन्हें किसी सिखाने
वाले की जरूरत नहीं होती ।

महात्मा गांधी



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

15 अप्रैल



मधु प्रिया

विश्व कला दिवस 15 अप्रैल

विश्व कला दिवस 15 अप्रैल



दुनियाभर में 15 अप्रैल को वर्ल्ड आर्ट डे (विश्व कला दिवस) मनाया जात है। कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस दिन को हर साल 15 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कला के प्रति जागरूक किया जाता है। कला हमेशा अभिव्यक्ति और भावनाओं को तलाशने का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है। महामारी के बीच विश्व कला दिवस हम सबके लिए बहुत अधिक महत्व रखता है क्योंकि विश्वभर के लोग इस समय तनाव और अकेलेपन से जूझ रहे हैं। कला लोगों को डिप्रेशन से निपटने में मदद करता है। विश्व कला दिवस यूनेस्को द्वारा समर्पित एक दिन है। विश्व कला दिवस 2019 में यूनेस्को के सामान्य सम्मेलन के 40वें सत्र में घोषित किया गया था। हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस मनाया जाता है। यूनेस्को के अनुसार, यह कला के विकास, प्रसार और आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। 15 अप्रैल, कला और प्रदर्शन कला को मनाने के लिए एक दिन के रूप में चिह्नित किया गया था क्योंकि यह महान चित्रकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन भी है। विश्व कला दिवस का पहला उत्सव 15 अप्रैल 2012 को आयोजित किया गया था। मोना लिसा के प्रसिद्ध चित्रकार लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तारीख का चयन किया गया है।

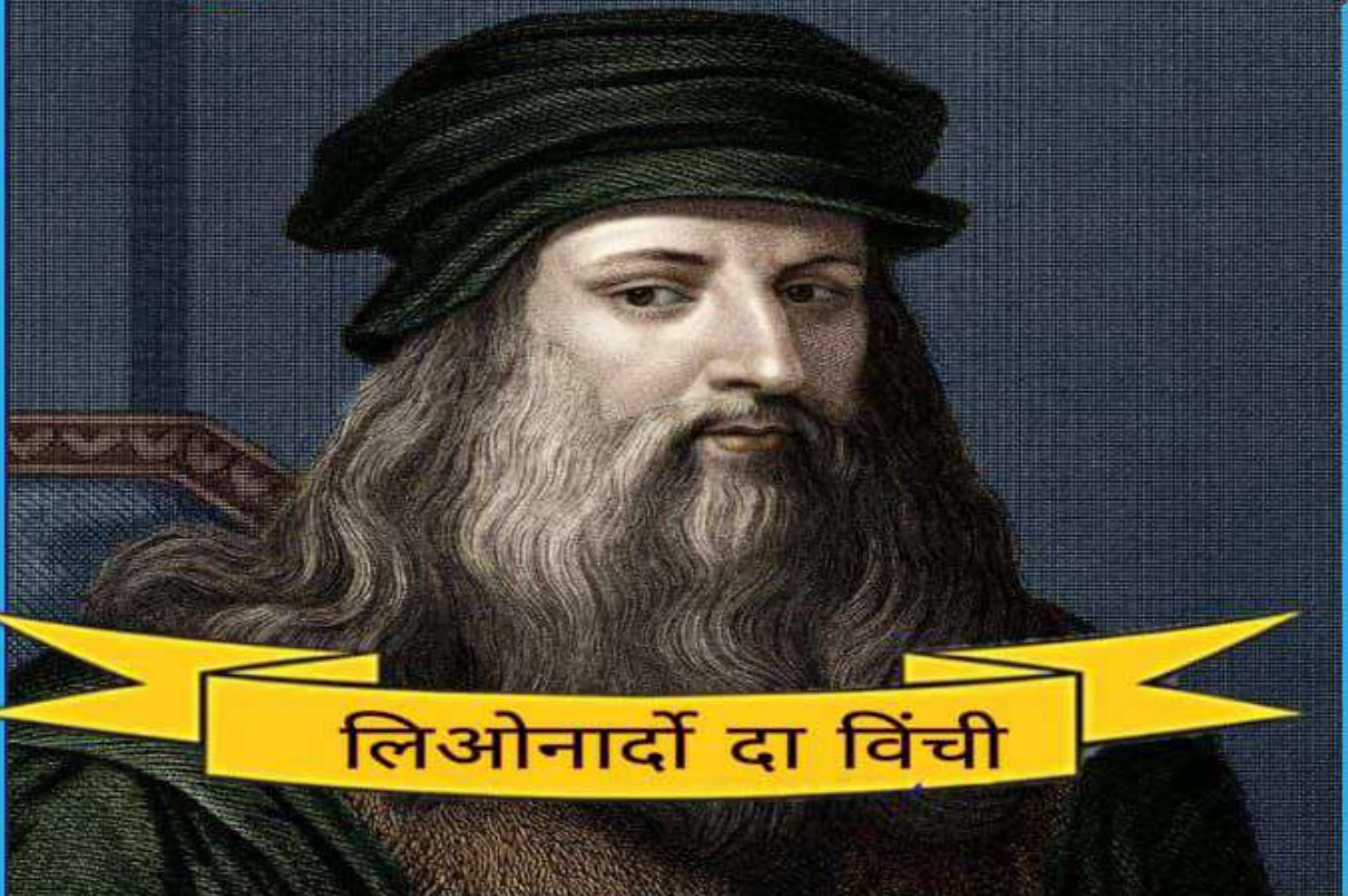


Teachers of Bihar

The change makers



जयंती विशेष 15 अप्रैल



लिओनार्दो दा विंची

लिओनार्दो दा विंची

Leonardo da Vinci, जन्म:

1452 - मृत्यु: 1519) इटलीवासी, महान चित्रकार, आविष्कारक, संगीतज्ञ, मूर्तिकार, वैज्ञानिक, निरीक्षक, शरीर रचना वैज्ञानिक, भवन डिजाईन विशेषज्ञ, डिज़ाइनर और नगर नियोजक थे। अपने समय में उनका नाम बहुत प्रसिद्ध था और लोग उनकी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मानते थे। उनकी इसी बहुमुखी प्रतिभा के कारण उन्हें 'यूनिवर्सल मैन' की उपाधि दी गयी थी।



वैज्ञानिक कारण



कार इंजन ठंढा रखने
के लिए रेडियेटर में
जल का प्रयोग किया
जाता है क्यों?

जल की ऊष्माधारिता अधिक होती है। अतः गर्म जल बहुत जल्दी समय तक गर्म रहता है। यही कारण है कि रबड़ के थैले में गर्म जल भरकर शरीर के रोगग्रस्त भागों में इससे गर्म किया जाता है।



विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

रेडियम(Radium)

संकेत -
(Symbol)

Ra

परमाणु संख्या -88
(Atomic no.)

परमाणु भार -226
(A.weight)

समूह(group)-2

आवर्त (period)-7

ब्लॉक (block)-s

संयोजकता- 2

समस्थानिक (isotope)-2

विन्यास -[Rn]7s²



खोज

1898, मैरी क्यूरी, पियरे क्यूरी

भौतिक गुण

चांदी सफेद, ठोस, रेडियोधर्मी, क्षारीय मृदा धातु
रासायनिक गुण

अत्यधिक अभिक्रियाशील धातु

उपयोग

पेंट, चिकित्सा, विकिरण उपचार, रेडियोधर्मी ट्रेसर



Teachers of Bihar
The Change Makers



शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 15.04.2025

शास्त्रीय कंडीशनिंग

शास्त्रीय कंडीशनिंग, सीखने की एक विधि है जिसमें दो उत्तेजनाओं को जोड़कर एक नई प्रतिक्रिया विकसित की जाती है. इसे पावलोवियन कंडीशनिंग या प्रतिसाद देने वाली कंडीशनिंग भी कहा जाता है. इसकी खोज रूसी फ़िज़ियोलॉजिस्ट इवान पावलोव ने की थी।



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान



Norway को ऐसे देश के रूप में जाना जाता है जहां सूरज कभी अस्त नहीं होता। गर्मियों के दौरान नॉर्वे में रात के 12 बजे ऐसे दिखते हैं।



TOB

खेल कॉर्नर



आईपीएल चैंपियन प्रत्येक सीजन में



2008



2009



2010



2011



2012



2013



2014



2015



2016



2017



2018



2019



2020



2021



2022



2023



2024

?

2025



15 अप्रैल

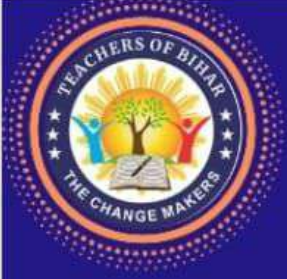
आप सभी को

हिमाचल दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



मधु प्रिया



नालंदा निवासी, प्रथम पसमांदा आंदोलन के
जनक और स्वतंत्रता सेनानी
मौलाना अली हुसैन "आसिम बिहारी"
की जयंती पर सादर नमन।

मधु प्रिया

जन्म- 15 अप्रैल 1890 - मृत्यु- 6 दिसंबर 1953



15 अप्रैल

विश्व कला दिवस
की हार्दिक बधाई।



मधु प्रिया

















हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

'टीचर्स ऑफ बिहार' ने स्थापना के छह वर्ष किये पूरे, एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में हुआ कार्यक्रम वार्षिकोत्सव : नवाचार से बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक हुए सम्मानित

पटना, कार्यालय संवाददाता। शिक्षा को सशक्त बनाने वाले बिहार के सबसे बड़े टीचिंग लर्निंग समुदाय 'टीचर्स ऑफ बिहार' (टीओबी) ने स्थापना के छह वर्ष पूरे कर लिए। रविवार को एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के सभागार में इस मौके पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। साथ ही शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों संग टीओबी के संस्थापक शिव कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मौके पर डॉ. एस सिद्धार्थ ने कविता और कहानियों के संकलन गद्य गुंजन-पद्य पंकज, शिक्षकों के विचारों का मुखपत्र अभिमत का विमोचन किया। विशिष्ट अतिथियों ने टीचर्स ऑफ बिहार के नवाचारी परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें पीएम पोषण योजना गणक, द्रोणविद्या और प्रोजेक्ट शिक्षक साथी का शुभारंभ हुआ। एससीईआरटी के निदेशक ने कहा कि समूह के शिक्षकों का कार्य सराहनीय है। मौके पर एससीईआरटी के पूर्व संयुक्त निदेशक सैयद अब्दुल मोइन, डायट की संयुक्त निदेशक डॉ. रश्मि प्रभा, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. उदय कुमार उज्ज्वल रहे।



मुखपत्र अभिमत का विमोचन करते एसीएस डॉ. एस सिद्धार्थ, शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, निदेशक सज्जन आर व अन्य।



- शिक्षा विभाग के एसीएस ने टीओबी के नवाचारी परियोजना का शुभारंभ किया
- प्रधानमंत्री पोषण योजना गणक, द्रोणविद्या और प्रोजेक्ट शिक्षक साथी का शुभारंभ

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित हुए शिक्षक।

**बच्चों को
सर्वोपरि रख
कल्याण करें**

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने समूह से जुड़े शिक्षकों के नवाचार की सराहना की। कहा कि शिक्षक की नौकरी अन्य नौकरियों से अलग है। इन पर बेहतर समाज निर्माण की जिम्मेदारी होती है। इसलिए शिक्षक कल के भविष्य यानी बच्चों को सर्वोपरि रखें। अपनी तकलीफ को भूल कर बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करें। शिक्षकों का कल्याण करने के लिए सरकार है। मौके पर डॉ. सिद्धार्थ, सचिव, निदेशक एससीईआरटी ने नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित भी किया।

समूह के कार्यों की एससीईआरटी ने भी की है सराहना : टीचर्स ऑफ बिहार ने डिजिटल

शिक्षा और नवाचारों में बिहार के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर भी छाप छोड़ी है। एनसीईआरटी ने भी बिहार की इस

शिक्षक समूह के कार्यों की सराहना की है। एनसीईआरटी ने समूह से दूसरे राज्यों को भी सीखने को कहा है।